वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 198 | गुरुवार 14 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव-2024

प्रदेश में हुआ शांतिपूर्ण, सफल और व्यवस्थित मतदान

7 विधानसभा क्षेत्रों में 69.29 प्रतिशत मतदान, खींवसर में सर्वाधिक 75.62 प्रतिशत मतदान, मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान कर लोकतंत्र के उत्सव में भागीदारी निभाई। नव विवाहितों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों आदि ने मताधिकार का उपयोग किया। होम वोटिंग के तहत 3,127 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान किया, मतगणना 23 नवम्बर को सुबह 8 बजे से होगी।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव-2024 के दौरान 7 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान संपन्न हो गया है। बुधवार को रामगढ़, दौसा, चौरासी, झुंझुनू, खींवसर, देवली-उनियारा और सलूम्बर विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। कुल 1,915 मतदान केन्द्रों पर विभिन्न वर्गों, नवविवाहित, दिव्यांग, आदिवासियों, महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं सहित सभी मतदाताओं ने मतदान में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि 7 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति (क्लोज ऑफ पोल) के समय संभावित मतदान का प्रतिशत 69.29 दर्ज किया गया है। गुरुवार को मतदान दस्तावेजों की संवीक्षा के बाद ही मतदान प्रतिशत के अंतिम (एंड ऑफ पोल) के आंकड़े प्राप्त हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि शाम 6 बजे के बाद भी कुछ मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की कतारें लगी थीं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर सुबह 7 बजे से मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचने लगे थे। दिनभर उत्साह से लबरेज मतदाताओं का तांता लगा रहा। इन सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना 23 नवम्बर को सुबह 8 बजे से होगी। महाजन के अनुसार, खींवसर विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 75.62 प्रतिशत और दौसा में सबसे कम 62.1 प्रतिशत मतदान हुआ है। सभी रिटर्निंग अधिकारियों से अब तक प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर विधानसभा का क्षेत्रवार मतदान प्रतिशत निम्न है:-

खींवसर: 75.62
रामगढ़: 75.27
चौरासी: 74.1
सलूम्बर: 67.01
झुंझुनू: 65.8
देवली उनियारा: 65.1
दौसा: 62.1

आयोग के नवाचारों और मॉनिटरिंग से निर्बाध चुनाव संपन्न

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उपचुनाव के दौरान बेहतर कार्ययोजना, नवाचारों और गहन मॉनिटरिंग के फलस्वरूप मतदान निर्बाध और सुचारू ढंग से सम्पन्न हुआ। निर्वाचन आयोग के स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुगम और समावेशी चुनाव के निदेर्शानुसार विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के साथ व्यापक और नियमित रूप से तैयारियों की समीक्षा की गई। पहली बार मतदान केन्द्र के बाहर से भी लाइव वेबकास्ट और इको-फ्रेंडली 'ग्रीन एंड क्लीन' पोलिंग बूथ की संकल्पना को साकार किया गया। मतदान केंद्रों पर इको फ्रेंडली सेल्फी बूथ भी बनाए गए। सभी आयुवर्ग के मतदाताओं में सेल्फी का क्रेज रहा। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं सहित अन्य मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर प्रमाण-पत्र दिए गए और पौधारोपण करवाया गया।

1,170 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग से निगरानी

महाजन ने बताया कि 7 विधानसभा क्षेत्रों के 1,915 मतदान केन्द्रों में से 1,170 पर मतदान प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग करवाई गई। कई मतदान परिसरों में मतदान कक्ष के बाहर भी सीसीटीवी कैमरा स्थापित कर लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए मतदाताओं की कतार और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखी गई। इस नवाचार के लिए रिटर्निंग अधिकारी, जिला एवं राज्य तथा निर्वाचन आयोग के स्तर के साथ ही पुलिस अभय कमांड सेंटर से लाइव फीड की मॉनिटरिंग की गई। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में केन्द्रीय पुलिस बल और माइक्रो ऑब्जर्वर लगाए गए।

तकनीकी त्रुटियों के कारण एक बैलट यूनिट, एक कंट्रोल यूनिट और 13 वीवीपैट बदले

महाजन ने बताया कि मतदान के उपरान्त सभी 1,915 मतदान दल ईवीएम मशीनों सहित संग्रहण केन्द्रों पर सकुशल पहुंच गए हैं। ईवीएम मशीनों के परिवहन और संग्रहण के बाद उनकी सुरक्षा में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों तथा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की पालना की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के दौरान तकनीकी त्रुटियों के चलते एक बैलट यूनिट, एक कंट्रोल यूनिट और 13 वीवीपैट बदले गए।

मतदान केंद्रों पर दिव्यांगजन के लिए व्हीलचेयर और वॉलन्टियर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के सुविधा को ध्यान में रखते हुए रैम्प, पीने के पानी, छाया, व्हीलचेयर और दिव्यांग मतदाताओं के लिए वाहन सहित अन्य व्यवस्थाएं की गईं। साथ ही, मतदाताओं की सहायता के लिए मतदान केन्द्रों पर एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड के वॉलन्टियर तैनात किए गए। मतदान के दौरान मतदाताओं को वोट के अधिकार के प्रति जागरूक कर उन्हें मतदान करने के लिए प्रेरित करने और समझाइश (स्वीप) की गतिविधियां भी की गईं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी युवाओं, नवमतदाताओं सहित अन्य को भी मतदान के लिए प्रेरित किया गया। उपचुनाव के दौरान युवाओं, महिलाओं और दिव्यांगों की भागीदारी के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विशेष मतदान केंद्र बनाए गए, जिनको महिलाओं और युवाओं तथा दिव्यांग कार्मिकों द्वारा संचालित किया गया। इसके साथ ही, युवा मतदाताओं ने सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर भी अपलोड की। महाजन ने बताया कि 85 वर्ष एवं अधिक आयु के वृद्धजन और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा प्रदान की गई. सात विधानसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के जरिए रिकॉर्ड 99 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। कुल 3,193 मतदाता द्वारा होम वोटिंग के लिए आवेदन किया गया, जिसमें से 37 की मतदान के समय तक मृत्यु हो गई। 4 नवम्बर से 10 नवम्बर की अवधि में कुल 3,127 मतदाताओं ने घर से मताधिकार का उपयोग किया। केवल 29 मतदाता अनुपस्थित होने की वजह से मतदान नहीं कर सके।

भीलवाड़ा शहर महिला मंडल का दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सामाजिक संस्था श्री भीलवाड़ा शहर महिला मंडल ने अपना दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन सिंदरी के बालाजी स्थान पर किया। महामंत्री मधु लोढ़ा ने बताया की कार्यक्रम की अध्यक्षता मंजू सिंघवी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ ललिता मेहता ने मंगलाचरण के माध्यम से किया स्नेह मिलन में एक से बढ़कर एक मनोरंजन हेतु गेम ,भजन, संगीत ,रंगोली, स्लोगन, 1 मिनट ,प्रतियोगिता है आयोजित की गई। भीलवाड़ा शहर महिला मंडल सदैव एक परिवार की तरह रहता है सभी महिलाओं की सराहना करते हुए मधु लोढ़ा ने नारी शक्ति के सहयोग व समर्पण के लिए साधुवाद अभिनंदन किया। अध्यक्ष मंजू सिंघवी ने अपने विचारों में कहा कि नारी शक्ति समाज की वह धुरी है जो सदैव सकारात्मक सोच के साथ समाज में कार्य करती है यह मंडल सदैव क्रांतिकारी परिवर्तन के रूप में कार्यक्रम आयोजित करता है हमारे सभी बहने मिलनसार है जो सदैव कार्य के प्रति तत्पर रहती है मंत्री अरुणा पोखरना ने बताया कि इस अवसर पर स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम सुलेखा लोढ़ा वद्वितीय अभिलाषा पानगढ़िया रही रंगोली प्रतियोगिता में अभिलाषा प्रथम वह सुशीला खमेसरा द्वितीय रहे। बिंदी प्रतियोगिता में सुनीता बागचार प्रथम व आशा कोठारी द्वितीय रही स्माइली फेस प्रतियोगिता में पूजा डूंगरवाल प्रथम व पिंकी कोठारी द्वितीय रही धनतेरस दीपावली प्रतियोगिता में ललिता मेहता प्रथम मंजू खमेसरा द्वितीय रहे। कोषाध्यक्ष रेखा डांगी ने बताया कि कार्यक्रम में सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया साथ ही कार्यक्रम में 15 लकी ड्रॉ भी निकाले गए उन्हें भी सम्मानित किया गया मंडल संरक्षिका सुशीला बाई छाजेड़ प्रेम बाई खमेसरा, कार्य अध्यक्ष ललिता पीपाड़ा ने सभी को पारितोषिक देकर सम्मान किया गया इस अवसर पर अर्पिता खमेसरा, डिंपल सिंघवी, ज्योति कोठारी, रेखा पानगढ़िया, मेघा भंसाली, कोमल जैन, रीना जैन, सुनीता बिरानी, सुशीला खमेसरा, सीमा खमेसरा, मधु खमेसरा, माया नागोरी, सुशीलाखमेसरा, सिसोदिया, सुमन कोठारी, जय श्री सिसोदिया, इंदिरा खमेसरा, तारा छाजेड़,चंचल छाजेड़, नमिता डांगी, आशा जैन, संगीता पानगढ़िया, दीपिका चौधरी, प्रसन्ना चौधरी, दिलकुश आंच लिया, इंदु खटोड़, हेमलता खमेसरा, आशा धूपिया, नीता खटोड़, रेखा पोखरणा, मीनल चौधरी, आयुषी चौधरी, मीना मारू, रेखा पीपाड़ा, शीला मेहता, अंजलि रुक्लेजा, रतन देवी खमेसरा,सुशीला पोखरणा,सहित कई बहने उपस्थित थी कार्यक्रम में शामिल सभी बहनों ने मनोरंजन के साथ में कार्यक्रम की सराहना की। अंत में सभी बहनों ने भोजन का लाभ प्राप्त किया। अंत मे अरुणा पोखरना ने सभी का आभार अभिव्यक्त किया संचालन मधु लोढ़ा ने किया।

श्री शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ मोक्षायतन कोटड़ी रोड जैन मंदिर में वेदी शुद्धि कार्यक्रम हुआ आयोजित

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में श्री आदिनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ भक्ति भाव के साथ चल रहा है। बुधवार को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन गर्भ कल्याण का उत्तर रूप की क्रिया की गई। जिसमें सैकड़ो श्रावक श्राविकाओं ने पुण्य लाभ अर्जित किया गया। यह पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पंडित रजनीभाई दोषी हिम्मतनगर के कूशल निर्देशन व विद्वानों की टीम के सानिध्य में चल रहा है और इन्होंने गर्भ कल्याणक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि भगवान ने तो अपना कल्याण कर लिया। अब हम सबको इन पांच कल्याणो के माध्यम से अपनी आत्मा का कल्याण करना है। प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि गर्भ कल्याण की क्रियाओं में अभिषेक, शांति जाप, नित्य नियम पूजन, प्रवचन, माताजी जागरण, इंद्रसभा, राज्यसभा गर्भ कल्याण पूजन, विद्वानों के प्रवचन, वेदी शुद्धि घट यात्रा पंच कल्याणक स्थल से श्री शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरनाथ मोक्षायतन कोटड़ी रोड जैन मंदिर तक शोभायात्रा निकाली गई।

जिसमें सभी श्रावक श्राविकायें व बच्चे भगवान की भक्ति करते हुवे चल रहे थे। शोभायात्रा का कोटड़ी रोड़ थाने के पास श्री पद्मनाथ स्वामी मन्दिर विकास एवं प्रबंधन समिति अखण्ड सनातन हिन्दू समाज पिड़ावा की और से सुखे मेवे व सभी को जल पिलाकर भव्य स्वागत सम्मान किया गया। जिन मन्दिर पहुंच कर वहां पर वेदी शुद्धि श्री शांतिनाथ भगवान की प्रतिष्ठाचार्य के माध्यम से वेदी शुद्धि कर्ता सेजल बेन, जयति बेन, विराली बेन, रिद्धि बेन, सेतन बेन, पारस भाई मेहता, मुंबई वालों की ओर से व वैदी शुद्धि श्री अरनाथ एवं श्रीकुंथु नाथ की रूपाबेन- किरीट भाई जोबलिया सोनगढ़ वालों की ओर से की गई। इंद्रसभा, आसान, अयोध्या नगरी की रचना, माता-पिता की स्थापना, अष्ट देवियों द्वारा माता की परिचर्चा 16 स्वपन दर्शन के साथ गर्भकल्याण की आंतरिक संस्कार क्रियाएं संपन्न हुई। धर्म सभा में इन्द्रो के धर्म चर्चा में इंद्रासन कम्पायमान हुआ। सौधर्म इन्द्र ने बताया महाराजा नाभिराय के घर आंगन में प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान माता मरुदेवी के गर्भ में आने वाले हैं। कुबेर इंद्र ने अयोध्या की रचना की 56 कुमारियां अष्ट कुमारियां ने माता की सेवा की गई। इस अवसर पर हजारों श्रावक श्राविकाओं ने भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन पंडित संजय जेवर व मनीष शास्त्री द्वारा किया गया।

भीलवाड़ा शहर बालिका मंडल का हुआ गठन

लोढ़ा अध्यक्ष व सिसोदिया बने मंत्री

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर बालिका मंडल का गठन किया गया महिला मंडल की महामंत्री मधु लोढ़ा ने बताया कि महिलाओं के साथ-साथ बालिकाओं का भी विकास सृजन विकास हो और वह भी अपनी प्रतिभाओं को समाज के समक्ष रख सके। इस हेतु संरक्षिका सुशीला छाजेड़, प्रेम बाई खमेसरा,ललिता पीपाड़ा के सानिध्य में चुनाव कमेटी बनाई गई चुनाव कमेटी के द्वारा बालिकाओं को मनोनीत किया गया जिसमें सरक्षिका पद हेतु जयश्री सिसोदिया व सुनीता बागचार को बनाया गया। बालिका संरक्षिका शेफाली धूपिया, अध्यक्ष आयुषी लोढ़ा, उपाध्यक्ष शिल्पा धुपिया, मंत्री गर्विता सिसोदिया,कोषाध्यक्ष नव्या बाफना, सह मंत्री संयुक्ता पानगढ़िया, प्रचार प्रसार मंत्री अरिहंता कोठारी, शिक्षा मंत्री वेदिता सिसोदिया,संगठन मंत्री, रिया नाहर, व आयुषी रूगलेचा कार्यकारिणी सदस्य छवि पानगढ़िया व श्वेनी चौधरी,रक्षिता बिरानी, श्रुति खमेसरा, सोनाली जैन सहित 11 सदस्यों के कार्यकारिणी बनाई गई। मंडल अध्यक्ष मंजू सिंघवी ने सभी को अपने पद की शपथ दिलाई व बधाई शुभकामनाएं दी। शेफाली धूपिया ने अपने विचारों में कहा कि अभी हमने 25 बहनों से मंडल प्रारंभ किया है आने वाले समय में बहनों की संख्या 100 तक पहुंचा देंगे हमारा उद्देश्य है धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देना रहेगा समय-समय पर गुरु दर्शन व संस्कार शिविरों के माध्यम से हम स्वयं दूसरों की सेवा हेतु प्रयास करेंगे। अध्यक्ष आयुषी लोढ़ा ने अपने विचारों में कहा कि हमें मंडल की सभी बहनों का सहयोग व आशीर्वाद चाहिए। आपका आशीर्वाद से ही हम उन्नति व विकास कर पाएंगे। मंत्री गर्विता ने कहा कि जो हमें यह जिम्मेदारी दी है उसे हम सभी मिलकर पूरी सेवा ,निष्ठा, ईमानदारी के साथ निभाते हुए समाज की गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम का संचालन मधु लोढ़ा नेकिया सभी को बधाइयां व शुभकामनाएं प्रेषित की।

डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन हुये अखिल भारतीय जैन विद्वतपरिषद् पुरस्कार से सम्मानित

सागर. शाबाश इंडिया

मध्यप्रदेश के सागर में चातुर्मास कर रहे मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित अखिलभारतीय जैन विद्वत्परिषद का राष्ट्रिय अधिवेशन आयोजित किया गया था। जिसमें डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन को उनकी पुस्तक मंदिर, मूर्ति, भवन वास्तु पर स्व. गिरजादेवी घासीलाल जैन, चौधरी स्मृति विद्वतपरिषद् पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार महेन्द्र कुमार जैन, श्रीमती सरलादेवी जैन मुरैना के पुणयार्जन में भेंट किया गया। डॉ. जैन को माला, शाल, प्रशस्ति तथा 11000/- रुपए की नगद राशि से सम्मानित किया गया। पूर्व में भी डॉ. जैन को उनकी अन्य कृतियों एवं प्राकृत के प्रचार-प्रसार के लिये तीन पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. जैन जैनविद्या एवं प्राकृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सदैव अग्रणी रहते हैं। वर्तमान में डॉ. जैन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के प्राकृत अध्ययन-शोध-केन्द्र में कार्यरत है। समस्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिवार तथा जैन एवं प्राकृत विद्या के मनीषियों की ओर से डॉ. जैन को हार्दिक बधाई।

जैनदिवाकर एकता, अहिंसा और साधर्मिक भक्ति के अग्रदूत थेः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी म.

चैन्नई. शाबाश इंडिया

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार में सात वार की प्रवचनमाला में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने रविवार पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा रविवार उजाला देने वाला है।रवि का तेज भारी होता है। यह प्रभावकारी और आनंद दिलाने वाला है। उन्होंने कहा सूर्य के उदित होने पर साधु चर्या प्रारंभ होती है। सूर्य का प्रकाश यत्ना के लिए, उसका ताप जीव विराधना से बचने के लिए है। उन्होंने कहा सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है,वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है। युवाचार्य श्री ने महान संत जैनदिवाकर चौथमलजी महाराज की जयंती पर जीवन और उनके असाधारण योगदान का गुणगान करते हुए बताया । उनका जीवन जैन धर्म, अहिंसा, और भारतीय संस्कृति की शिक्षा के लिए समर्पित था। चौथमलजी महाराज का जन्म, दीक्षा और देवलोकगमन, सभी एक ही दिन, रविवार को हुआ था । उन्होंने मात्र 18 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की, और उनका जीवन अहिंसा, एकता, और साधर्मिक भक्ति के लिए प्रेरणा बना। उनके प्रवचनों ने न केवल उनके अनुयायियों बल्कि अन्य धर्मों के अनुयायियों

को भी प्रभावित किया। उनके भजनों और उपदेशों में इतनी शक्ति थी कि राजा-महाराजाओं ने भी उन्हें अपना गुरु माना। उनके प्रवचनों ने भारतीय संस्कृति का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया और लाखों लोगों को प्रभावित किया था। युवाचार्य प्रवर ने बताया चौथमलजी महाराज के संकल्प, तपस्या, और उनके संयममय जीवन से प्रेरित होकर 1949 में स्थानकवासी श्रमण संघ की स्थापना हुई। उन्होंने जीवनभर एकता और अहिंसा का संदेश दिया और अपने उपदेशों से झोपड़ी से लेकर महलों तक हर हृदय को आलोकित किया। वह हमेशा एक प्रेरणा बने रहेंगे। महामंघ के महामंत्री धमीचंद सिंघवी ने बताया चातुर्मास में कार्यरत भोजन समिति, तपस्या समिति, प्रवचन समिति, आवास निवास समिति, वैयावच्च समिति, पारणा समिति, नवकार जाप समिति, पार्किंग समिति, जीवदया एवं अन्नदान समिति, आत्मध्यान शिविर समिति, पंडाल व सजावट समिति आदि सभी समितियो के पदाधिकारियों का युवाचार्यश्री जी के सानिध्य में सम्मान किया गया। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

बाल दिवस विशेष

हाथों में सौपों पोथी

जिन हाथों में चाहे पोथी,खाने को चाहे दो रोटी ।
वो छाँया प्रेम तरू चाहे,चाहें दया की वो गोदी ।।
हक हमने उनका छीना हैं दुश्वर किया जीना है ।
बेशक खिलती वो कली हमने प्रस्फुटन है रोंदी ।।

वो नन्हे -नन्हे, हाथों से,बोझा ढोते है बाहों से ।
हमने ढेरों जख्म दिये, खून रिसता छालों से ।।
लोभियों ने बच्चों की जिंदगी लपटों में है झोंकी ।
जिन हाथों में चाहे पोथी,खाने को चाहे दो रोटी ।।

बालश्रम नाजायज, हर चौराहे दिखता जायज ।
छोटी थड़ी,फैक्ट्री बड़ी,उनसे कराते है कारज ।।
आजाद देश में बच्चों को गुलामी हमने है सौंपी ।
जिन हाथों में चाहे पोथी,खाने को चाहे दो रोटी ।।

वो कल सूरज बन चमकेगा ,जग में दमकेगा ।
मिल जाएँ कुछ बूंदे,तो बादल बन बरसेगा ।।
अब देर जरा ना करो,हाथों में सौपों तुम पोथी ।
जिन हाथों में चाहे पोथी,खाने को चाहे दो रोटी ।।

बाल जीवन हो रहा नर्क ,आजाद करो बने स्वर्ग ।
तब जाकर बाल दिवस ,मनाना हो सार्थक ।।
जंजीरों से आजाद करों, दे दो हाथों में पैन कॉपी ।
जिन हाथों में चाहे पोथी,खाने को चाहे दो रोटी ।।

कवि नवीन जैन नव बीगोद

वेद ज्ञान

अपनी खुशी

भीतर की अपनी खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी होती है। इसकी तैयारी भीतर से ही करनी होती है। इस खुशी के रहते हुए कोई बाहर का तत्व हमें दुखी नहीं बना सकता। भीतर की जो वास्तविक खुशी है वह कुएं के पानी के उस अनवरत स्नोत की तरह है जो जमीन के अंदर से आता है। कुएं के पानी की तरह अंदर से निकला खुशी का निर्मल झरना आत्मा, हमारे तन-मन और समूचे जीवन को आनंदित कर देता है। निरंतर बहने वाले इस खुशी के स्नोत को अगर कोई रोकता है तो वह हैं-हमारे मन में बसे सक्रिय दुर्गुण और वासनाएं। हम बाहर से कितने ही अच्छे काम कर लें, लेकिन अगर भीतर से खुश रहने के लिए तैयार नहीं हैं तो अच्छे से अच्छा काम भी यंत्र-वत बनकर रह जाएगा। यदि हम भीतर से खुश रहने के लिए तैयार हैं तो फिर हमारा हर काम अपने आप में अनूठा होगा, आनंददायी होगा। बाहरी खुशी ऊपर रखी टंकी का वह पानी है जो रोज भरा जाता है और रोज टंकी खाली हो जाती है। टंकी में डाला गया पानी इंद्रियों द्वारा भोगे जाने वाले सांसारिक भोग-विलास हैं। इंद्रियां इन्हीं बाहरी पदार्थों से सुख चाहती हैं, लेकिन बाहरी पदार्थ से कभी वास्तविक खुशी न किसी को मिली है न मिलेगी। इन्हें तो रोज भरना खाली होते रहना है। अपनी खुशी दूसरों में खोजने वाले लंबे समय तक जीवन-यात्रा नहीं कर पाते हैं, लेकिन संसार में रहना है तो दूसरों के बिना जीवन कट भी नहीं सकता। सुख मिले या दुख, संबंध तो निभाने पड़ते ही हैं। एक बार अगर हमने अपने भीतर की खुशी को जान लिया है तो खुशी हमारी मुट्ठी में है। हम सभी चाहते हैं कि कैसे भी, किसी भी प्रकार से खुशी मिल जाए। विभिन्न प्रकार के वर्कशॉप, आयोजन, महोत्सव किए जाते हैं, लेकिन खुशी कोई आयातित बाहरी पदार्थ नहीं है। यह तो हमारी मानसिक अवस्था है, हमारी सोच की दिशा है। यही दिशा जब सकारात्मक होती है तो खुशी में बदल जाती है। बाहर से प्राप्त खुशी वास्तविक न होकर अस्थाई रूप से प्राप्त खुशी की प्रतिछाया होगी। उस व्यक्ति या परिस्थिति जिससे हमने यह प्रतिछाया प्राप्त की है, के हटते या अलग होते ही वह खुशी भी हमसे दूर हो जाएगी। स्थाई रूप से खुश रहने के लिए आवश्यक है कि हम अपनी खुशी अपने भीतर ही तलाश करें।

संपादकीय

प्रशासनिक ढांचे में तेजी से बढ़ते रोग!

केरल सरकार द्वारा दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के निलंबन की कार्रवाई ने हमारे प्रशासनिक ढांचे में तेजी से बढ़ते गंभीर रोगों की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। इन दोनों ही मामलों में की गई कार्रवाई न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय भी है। राज्य सरकार ने केरल उद्योग एवं वाणिज्य निदेशक के गोपालकृष्णन को सोशल मीडिया मंच वाट्सएप पर सांप्रदायिक समूह बनाने और उनसे भारतीय

प्रशासनिक सेवा के सहधर्मी अधिकारियों को जोड़ने के आपत्तिजनक आचरण के लिए निलंबित किया है, तो वहीं कृषि विभाग के विशेष सचिव एन प्रशांत को एक अन्य वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने के लिए निलंबित किया गया है। हालांकि, गोपालकृष्णन ने सफाई पेश की थी कि उनका मोबाइल हैक कर लिया गया था। मगर तिरुवनंतपुरम सिटी पुलिस की जांच में यह दावा सही साबित नहीं हुआ। अच्छी बात यह है कि इन वरिष्ठ अधिकारियों के कृत्य को राज्य सरकार ने नजरंदाज नहीं किया और बगैर वक्त गंवाए मुकम्मल तफ्तीश के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई भी कर डाली। इससे राज्य के अन्य अधिकारियों को यकीनन पैगाम मिल गया होगा कि अनुशासनहीनता की कीमत चुकानी पडेगी।निस्संदेह, हमारे प्रशासनिक अधिकारी इसी समाज से आते हैं और सामाजिक विमर्शों का उन पर असर स्वाभाविक है; मगर उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश के संविधान ने उनको एक विशिष्ट भूमिका सौंपी है, जिसमें उनकी व्यक्तिगत भावनाओं-दुर्भावनाओं के लिए कहीं कोई जगह नहीं है। भारतीय प्रशासनिक सेवा देश की सबसे बड़ी सेवा है। एक कठिन प्रक्रिया के जरिये इसके अधिकारियों का चयन होता है और उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि नागरिकों की सेवा करते हुए वे किसी भी किस्म के पक्षपात के बिना संविधान और कानून की रोशनी में काम करेंगे। वे इस देश की कार्यपालिका की रीढ़ हैं। मगर गोपालकृष्णन का आचरण इसके उलट था और राज्य सरकार ने उचित ही इसे अखिल भारतीय सेवा के काडरों के बीच हिंदू-मुस्लिम आधार पर विभाजन पैदा करने वाला करार दिया। ऐसे विभाजनों से सेवा की मूल अवधारणा खंडित होती है। धर्म के आधार पर अनुराग या वैमनस्य रखने वाला अधिकारी अपने सेवाकाल में जाति, उपजाति के आधार पर भेदभाव को प्रोत्साहित नहीं करेगा, यह कैसे माना जाए? इस तरह तो समूचे सामाजिक ताने-बाने को ही ऐसे अधिकारी संकट में डाल देंगे।इसी तरह, एन प्रशांत ने भी शासकीय मयार्दाओं का उल्लंघन किया। किसी भी महकमे के दो ओहदेदारों का टकराव सामान्य बात है, मगर सोशल मीडिया पर अपने वरिष्ठ सहकर्मी के खिलाफ विषवमन चरम अनुशासनहीनता ही नहीं, एक तरह से आपराधिक कृत्य है। दरअसल, इन दोनों अधिकारियों के कृत्य बताते हैं कि सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर किस तरह के प्रशिक्षण व सतर्कता की जरूरत है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

असहाय नगर निकाय

इस पर हैरानी नहीं कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग ने यह पाया कि देश के अधिकांश नगर निकाय न तो अपने स्रोतों से धन जुटाने में समर्थ हैं और न ही आवंटन के जरिये मिले पैसे का पूरा उपयोग कर पाने में। स्पष्ट है कि ऐसे में शहरों की स्थिति सुधरने की जो आशा की जा रही है, वह पूरी होने वाली नहीं है। कैग की रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि राज्य सरकारें अपने नगर निकायों को वांछित अधिकार देने को तैयार नहीं। वे इस पर भी ध्यान नहीं दे रही हैं कि नगर निकाय कर्मचारियों की कमी का सामना कर रहे हैं। यह विचित्र है कि जो राज्य सरकारें संघीय ढांचे का हवाला देकर केंद्र पर यह आरोप लगाती रहती हैं कि वह उन्हें पूरी स्वतंत्रता से काम नहीं करने देती, वे अपने नगर निकायों को 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत मिलीं आवश्यक शक्तियां देने को तैयार नहीं। आखिर आवश्यक अधिकारों के अभाव में नगर निकाय अपना काम सही तरह से कैसे कर पाएंगे? ऐसा लगता है कि राज्य सरकारें यह बुनियादी बात समझने को तैयार नहीं कि शहरी निकाय एक तरह से शासन की तीसरी इकाई हैं और उनका समर्थ होना आवश्यक है। निःसंदेह उन्हें समर्थ बनाने के साथ ही इसकी भी आवश्यकता है कि उन्हें उनके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाया जाए। यह ठीक नहीं कि राज्य सरकारें इनमें से भी कोई काम नहीं कर रही हैं। उचित यह होगा कि केंद्र सरकार केंद्र शासित प्रदेशों के जरिये राज्यों के समक्ष ऐसा कोई उदाहरण पेश करे कि शहरी निकायों को किन अधिकारों से लैस होना चाहिए, उन्हें अपना काम कैसे करना चाहिए और खुद को आर्थिक रूप से सक्षम कैसे बनाना चाहिए? यह समझा जाना चाहिए कि शहरों की सूरत तब तक नहीं संवर सकती, जब तक नगर निकाय प्रशासनिक और आर्थिक रूप से सक्षम बनने के साथ ही शहरों के विकास की ऐसी योजनाएं बनाने में समर्थ नहीं

होते, जो दीर्घकालिक और भविष्य की जरूरतों को पूरी करने वाली हों। चूंकि आम तौर पर शहरी विकास की ज्यादातर योजनाएं समस्याओं का फौरी समाधान करती दिखती हैं, इसलिए तमाम विकास कार्यों के बाद भी शहरों में विभिन्न समस्याएं सदैव सिर उठाए हुए दिखती हैं। क्या यह किसी से छिपा है कि किस तरह नए बने रास्ते, फ्लाईओवर, बाईपास आदि किस तरह कुछ समय बाद अपर्याप्त सिद्ध होने लगते हैं? पता नहीं क्यों आज भी शहरी योजनाएं यह ध्यान में रखकर नहीं बनाई जातीं कि आज से 50-60 साल बाद आबादी क्या होगी और उसके लिए कैसा आधारभूत ढांचा चाहिए होगा? कभी-कभी तो यह लगता है कि इस पर कोई विचार ही नहीं करता कि आज जो बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है, वह भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकेगा या नहीं? यह स्थिति तब है, जब देश के सभी छोटे-बड़े शहरों की आबादी बढ़ती जा रही है।

जैन धर्म के अठारहवें तीर्थंकर अरहनाथ भगवान का मनाया ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर , चंद्र प्रभु नसियां सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 18 वें तीर्थंकर अरहनाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कस्बे के मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर, पंचमेष्ठी भगवान, जिनवाणी मां सहित विभिन्न पूर्वाचार्यों की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए जैन- धर्म के 18 वें तीर्थंकर अरहनाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर विश्व शांति की कामना की गई। इसी कड़ी में

मंदिर समिति के मोहन झंडा एवं महावीर प्रसाद मोदी ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम में आज विभिन्न परिवार जनों की तरफ से सामूहिक रूप से जयकारों के साथ श्री जी की महाशांती धारा कर मंगलमय कामना की गई, कार्यक्रम में समाज की आशा मोदी एवं रेखा झंडा ने बताया कि अरहनाथ भगवान का जन्म इक्ष्वाकु वंश में हस्तिनापुर में राजा सुदर्शन और रानी देवी (मित्रा) के घर हुआ था , उन्हें कामदेव और मन्मथ के नाम से भी जाना जाता है, अरहनाथ भगवान वर्तमान कालचक्र के 18 वें तीर्थंकर एवं सातवें चक्रवर्ती थे , कार्यक्रम में राजकुमार कागला एवं जीतू मोदी ने बताया कि कार्यक्रम में कपूरचंद जैन नला, मोहनलाल झंडा, केलास कासलीवाल, हनुमान कलवाड़ा, हरकचंद झंडा, सोभागमल सिंघल, भागचंद कासलीवाल, राजेंद्र मोदी, महावीर प्रसाद मोदी, विमल कलवाडा, राजकुमार कागला,कमलेश चोधरी,कमल झंडा,सुविधि कडीला,जीतू कासलीवाल, आशीष हांडी गांव ,अंशु जैन,जीतू मोदी, तथा संतरा झंडा,प्रेमदेवी पंसारी, मुन्ना कागला, पर्यूषणा झंडा,कमला कासलीवाल,आशा बजाज, रेखा झंडा,आशा मोदी, सुनिता गिंदोडी, शोभा झंडा,मंजू झंडा, टीना मोदी सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

फिजियोथेरेपी व परामर्शदात्री कार्यक्रम का आयोजन

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। पी एम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतसर पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु फिजियोथेरेपी व परामर्शदात्री कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 50 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों तथा उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आवश्यकता अनुसार बच्चों को फिजियोथेरेपिस्ट डॉ पंकज जांगिड़ द्वारा फिजियोथेरेपी करवाई गई तथा विशेष शिक्षकों एवं संदर्भ व्यक्ति द्वारा राजस्थान सरकार द्वारा इन बच्चों हेतु चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा संबलन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में उपस्थित जिला समन्वयक समावेशित शिक्षा सतीश वर्मा द्वारा बच्चों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करवाने हेतु अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में मौजूद प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़ ने बताया कि ये बच्चे किसी भी प्रकार से अन्य बच्चों से कम नहीं है बस इन्हें सही संबलन और नियमित विद्यालय से जोड़ कर रखना आवश्यक है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संदर्भ व्यक्ति श्रीमती अरीता पारीक, विशेष शिक्षक भगत सिंह डूडी, अजय सिंह, उमेश कुमार, माधव लखोटिया, पवन कुमार, कविता, दिनेश कुमार ने अपना योगदान दिया।

नवकार महामंत्र के जाप से मनवांछित फल प्राप्त किया जा सकता हैः साध्वी प्रितीसुधा म.

उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्रद्धा और भक्ति से णमोकार महामंत्र का जाप करने से मनवांछित फल प्राप्त किया जा सकता है। बुधवार को जैन स्थानक पंचायती नोहरा में पंचदिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत तीसरें दिन महामंत्र नवकार का प्रखर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा आदि ठाणा के सानिध्य मे जाप हुआ। जिसमे बड़ी संख्या मे श्रध्दालुओं ने सामूहिक जाप किया गया। साध्वी प्रितीसुधा ने महामंत्र नवकार की महिमा बताते हुए कहा कि इस मंत्र को किसी ने नहीं बनाया, यह अनादि मंत्र है। यह ऐसा मंत्र है जिसके स्मरण से पाप कर्म तत्काल नष्ट हो जाते हैं। यह एक ऐसा अचूक मंत्र है जिसकी निस्वार्थ भाव से जो व्यक्ति स्तुति ओर जाप करता वह मनवांछित फल प्राप्त कर सकता है। श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी ने जानकारी देतें हुए बताया कि शुक्रवार 15 नवम्बर को साध्वीवृंद के सान्निध्य मे चार महापुरुषों की जयंती मनाई जाएगी।वीर लोकाशाह,जैनदिवाकर चौथमलजी म.सा., उपाध्याय कस्तूरचंद जी म., गुरुणी तेजकुंवर जी म,आदि की जयंती गुणगान के साथ मनाई जाएगी। तथा साध्वी धैर्य प्रभा जी के निश्राय मे संयम लेने वाली मुमुक्षु बहन कोमल जैन का बहुमान भी किया जाएगा। -**प्रवक्ता निलिप्का जैन**

जहाजपुर में भारत गौरव आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के पिच्छिका परिवर्तन समारोह में निवाई के श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

जहाजपुर में संघ की आर्यिका अर्हम मति माताजी को नवीन पिच्छिका प्रदान करने का सौभाग्य शुभकामना परिवार निवाई को मिला

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं का एक दल राज्य स्थित जहाजपुर में विराजमान भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी संघ के पिच्छिका परिवर्तन समारोह में दर्शनार्थ के लिए पहुंचकर राष्ट्रीय अधिवेशन में हिस्सा लिया जिसमें निवाई शुभकामना परिवार के संयोजक विष्णु बोहरा विमल पाटनी एडवोकेट अशोक जैन एवं विमल सोगानी ने आर्यिका संघ के समक्ष श्री फल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि एक दिवसीय तीर्थ यात्रा को लेकर निवाई से पहुंचे विष्णु कुमार राहुल कुमार ममता जैन बोहरा पूजा जैन विमल जौंला अशोक जैन एवं विमल सोगानी सहित शुभकामना परिवार के पदाधिकारियों ने आर्यिका अर्हम मति माताजी को जयघोष के साथ नवीन पिच्छिका भेंट करने का एवं संयम का उपकरण पुरानी पिच्छिका लेने का सौभाग्य मिला। इस दौरान जहाजपुर में अतिशयकारी भगवान मुनिसुब्रतनाथ जी के दर्शन करके आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

नई बहु की सास से अपेक्षाएं

परंपरागत रूप से, नई बहु की सास से कुछ सामान्य अपेक्षाएं होती हैं, जो परिवार में सामंजस्य और आपसी सम्मान बनाए रखने में सहायक हो सकती हैं। ये अपेक्षाएं अक्सर एक सामंजस्यपूर्ण और खुशहाल परिवार की नींव बनाती हैं। कुछ मुख्य अपेक्षाएं निम्नलिखित हैं:-

1. **समझ और सहयोग:** नई बहु को सास से उम्मीद होती है कि वे उसे समझें, उसके विचारों और मूल्यों का सम्मान करें, और उसे परिवार में सहज महसूस कराएँ।
2. **निर्देशन, दबाव नहीं:** बहु उम्मीद करती है कि सास उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन अपने अनुभवों को थोपें नहीं। उसे अपनी तरीके से जिम्मेदारियाँ निभाने का मौका दें।
3. **धैर्य और स्वीकार्यता:** सास से अपेक्षा रहती है कि वे धैर्यपूर्वक उसकी गलतियों को संभालें और नई बहु को परिवार के रीति-रिवाजों को समझने और अपनाने के लिए समय दें।
4. **प्रोत्साहन और सराहना:** सास का प्रोत्साहन और उसकी कोशिशों की सराहना नई बहु को आत्मविश्वास देता है और उसे परिवार का हिस्सा बनने में मदद करता है।
5. **संवाद और पारदर्शिता:** एक अच्छे संबंध के लिए संवाद बेहद जरूरी है। सास से उम्मीद की जाती है कि वे नई बहु से खुलकर बात करें और उसे भी खुलकर अपनी बातें रखने का अवसर दें।
6. **व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान:** नई बहु को यह अपेक्षा होती है कि उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सीमाओं का सम्मान किया जाए और उसे अपने हिसाब से जीने का मौका मिले।
7. **प्यार और स्नेह:** नई बहु सास से मातृत्व प्रेम और स्नेह की उम्मीद करती है ताकि उसे अपने नए घर में अपनापन और सुरक्षा का अहसास हो।
8. **समभाव और निष्पक्षता:** परिवार में सबके साथ समान व्यवहार करना और किसी प्रकार का भेदभाव न रखना एक सुखद वातावरण बनाता है।

एक सास की समझ, संवेदनशीलता, और सहयोग नई बहु के लिए एक सकारात्मक अनुभव बना सकता है, जिससे परिवार में आपसी प्रेम और विश्वास बढ़ता है।

अनिल माथुर जोधपुर (राजस्थान)

एनआईसीसी 15 को लॉन्च करेगी राजस्थान का पहला फ्लोटेशन टैंक थेरेपी सेंटर

उदयपुर. शाबाश इंडिया

एनआईसीसी की डॉ. दृष्टि छाबड़ा और जसजीव भसीन ने उदयपुर में लिक्विड सैंचुरी की शुरूआत की है। जिससे फ्लोटेशन टैंक थेरेपी का क्रांतिकारी कांसेप्ट अब झीलों की नगरी में उपलब्ध हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि यह राजस्थान का पहला फ्लोटेशन टेंक थैरेपी सेन्टर होगा। इसका उद्घाटन 15 नवम्बर को इन्दिरा आईवीएफ सेन्टर के डॉ. अजय मुर्डिया शाम 5 बजे करेंगे। इस आशय की जानकारी बुधवार को डॉ. दृष्टि छाबड़ा ने पत्रकार वार्ता में साझा करते बताया कि लिक्विड सैंचुअरी उदयपुर एक अनूठा सेंसरी डेप्राइवेशन अनुभव प्रदान करेगा, जो तनाव को कम करने, आराम को बढ़ाने और मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि आज की भागम भाग जीवन शैली में, फ्लोटेशन थेरेपी उन लोगों के लिए एक बेहतरीन उपाय बनकर उभर रही है जो शांति और संपूर्ण स्वास्थ्य की खोज में हैं। इस थेरेपी में एप्सम सॉल्ट मिश्रित पानी से भरे विशेष टैंक में फ्लोट करने पर बाहरी उत्तेजनाओं की अनुपस्थिति शरीर और मन को गहन शांति प्रदान करती है। लिक्विड सैंचुरी उदयपुर की संस्थापक डॉ. दृष्टि छाबड़ा ने उदयपुर में इस आधुनिक वेलनेस समाधान की शुरूआत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारा मिशन हमेशा से उदयपुर के लोगों के लिए नवाचार और प्रभावी वेलनेस थेरेपीज लाना रहा है। हमें गर्व है कि हम इसे इस शहर में पहली बार पेश कर रहे हैं और हमें विश्वास है कि यह लोगों के सेल्फ-केयर और वेलनेस के दृष्टिकोण को पूरी तरह बदल देगा। इस अवसर पर फ्लोटेशन टैंक थेरेपी का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया गया, जहां उपस्थित लोगों ने इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष अनुभव किया। इसके बाद तनाव कम करने, मांसपेशियों की रिकवरी, बेहतर नींद और रचनात्मकता बढ़ाने जैसे स्वास्थ्य लाभों पर एक जानकारी पूर्ण प्रस्तुति दी गई। उनके मुताबिक अत्याधुनिक फ्लोटेशन टैंक उच्चतम स्वच्छता और सुरक्षा मानकों के अनुसार हैं। आरामदायक वातावरण जो थेरेपी अनुभव को बढ़ाता है। व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार अनुकूलित थेरेपी सत्र है। यह सुविधाजनक स्थान है जो उदयपुर के निवासियों के लिए आसानी से सुलभ है।

रिपोर्ट/फोटोः
राकेश शर्मा 'राजदीप'

दशलक्षण पर्व सम्मान समारोह 16 को, हुआ पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल द्वारा दशलक्षण पर्व सम्मान समारोह परम पूज्य मुनि 108 श्री समत्व सागर जी एवं शील सागर जी महाराज कै सानिध्य में शनिवार दिनांक 16 नवंबर को दिन में 1-00 बजे से शुरू कीर्ति नगर जैन मंदिर, टोंक रोड होगा। इस कार्यक्रम के बैनर का मुनि श्री के सानिध्य में विमोचन हुआ। इस अवसर पर चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन महासमिति के पदाधिकारियों ने किया। अध्यक्ष अनिल कुमार जैन आईपीएस रिटायर्ड एवं महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर सुरेन्द्र जैन पांड्या, राष्ट्रीय महामंत्री,डा णमोकार जैन, सुरेश जैन बांदीकुई, राजेन्द्र जैन, कार्याध्यक्ष, निर्मल संघी, पश्चिम संभाग अध्यक्ष, जगदीश जैन, कीर्ति नगर जैन मंदिर अध्यक्ष, मंत्री राजकुमार जैन, श्रीमती शकुंतला जैन, अध्यक्ष महिला समिति, श्रीमती ललिता जैन आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ.नरेन्द्र जैन भारती हुए सम्मानित

सनावद. शाबाश इंडिया

परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के संघ के सानिध्य में सागर में तीर्थंकर श्री ऋषभदेव से लेकर तीर्थंकर श्री महावीर तक विषय पर हुई तीन दिवसीय बृहत राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में प्रसिद्ध विद्वान एवं लेखक डॉ. नरेन्द्र जैन भारती का विद्यासुधामृत सामाजिक कल्याण समिति सागर, द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें संगोष्ठी में उनके द्वारा लिखित सुधालेख - ''दान तीर्थ का प्रवर्तन, दान परंपरा और वर्तमान में चतुर्विध दान'' का प्रभाव विषय पर प्रस्तुतीकरण पर प्रदान किया गया। समिति के अध्यक्ष ऋषभ जैन, सुरेश जैन, राजकुमार मंत्री, अनिल जैन तथा समिति के सदस्यों द्वारा माल्यार्पण, शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र, उपहार भेंट कर सम्मानित किया । श्री भारती के सम्मानित होने पर बसंत पंचोलिया, शैलेंद्र जैन 'शैलू', सुरेश पंडित, राजेंद्र मंत्री, सलित जैन, सत्येंद्र जैन, प्रभात पंडित, राजेश अंजने, शुभम जैन, धीरेंद्र बाकलीवाल, बलराम पवार, वीरेंद्र सिंह चौहान, अतुल पगारे,सहित अनेक लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

बाल दिवस विशेष

बाल प्रज्ञानः बालमन का सुन्दर विश्लेषण

सन 1989 में हरियाणा में जन्मे डॉ. सत्यवान सौरभ बालसाहित्य के एक सुपरिचित हस्ताक्षर हैं। साहित्यकार, पत्रकार और अनुवादक डॉ. सत्यवान सौरभ ने बच्चों के साथ ही बड़ों के लिए भी विपुल साहित्य सर्जन किया है। बाल कविता की पुस्तकों के साथ ही प्रौढ़ साहित्य में दोहा, कथा, कविता, अनुवाद, रूपान्तर, सम्पादन की कई कृतियों का सर्जन कर उन्होंने हिन्दी साहित्य में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। बीस वर्षों से स्वतंत्र रूप से लेखन कर साहित्य को समृद्ध कर रहे हैं। बाल प्रज्ञान, बाल साहित्यकार डॉ. सत्यवान सौरभ जी की बाल कविताओं का सुन्दर संग्रह है। कवि की सभी रचनाएँ बाल मनोविज्ञान के अनुरूप हैं और बच्चों के मन का सुन्दर विश्लेषण करती हैं। बच्चों को बरसात के पानी में भीगना बहुत भाता है। बरसात की रिमझिम फुहारों में वे गर्मी की सारी तपन को भूलकर झूम उठते हैं। 'रिमझिम-रिमझिम बारिश आई' कविता में कवि बरसात के साथ बच्चों के इसी सम्बन्ध को अभिव्यक्त करते हुए कहता है-

चली हवाएं करती सन-सन।
झूम उठे हैं सबके तन-मन॥
बादल प्यारे गीत सुनाते।
बच्चे मिलकर धूम मचाते॥
जीव जन्तु और खेत हर्षाए।
पंछियों ने पंख फैलाए॥

इस बालकविता संग्रह की पहली कविता 'बने संतान आदर्श हमारी' में कवि ने किसी भी माता-पिता की होने वाली संतान का सुन्दर चित्रण किया है। बालमन के स्तर पर उतरकर कवि ने भावना को सहज रूप से मुखरित करते हुए कहा है-

बने संतान आदर्श हमारी, वह बातें सिखला दूं मैं।
सोच रहा हूँ जो बच्चा आये, उसका रूप, गुण सुना दूं मैं॥
बाल घुंघराले, बदन गठीला, चाल, ढाल में तेज भरा हो।
मन शीतल हो ज्यों चंद्र-सा, ओज सूर्य-सा रूप धरा हो॥
मन भाये नक्स, नैन हो, बातें दिल की बता दूं मैं।
बने संतान आदर्श हमारी, वह बातें सिखला दूं मैं॥

'नानी' इस संग्रह की लम्बी कविता है जिसमें बाल सुलभ शरारतों का यथार्थ और आकर्षक वर्णन किया गया है। बच्चे घर में उछलकूद कर सारा घर अस्त-व्यस्त कर देते हैं। जब उन्हें कोई रोकता है तो मन में खीज पैदा होती है। कवि ने बच्चों की इसी चंचलता का पक्ष रखते हुए कहा है-

मन चाहे मैं बाहर घूमूं।
मस्ती सब के साथ करूं।
खेलूँ दौड़ू सबके संग मैं,
कुश्ती में दो हाथ करूं॥
जी भर के मैं तैरूं जाकर,
पकड़े तो मैं हाथ न आऊं।
बचपन चाहता केवल मस्ती,
सबको मैं ये बात बताऊं॥
नानी-नानी कहो मम्मी से,
इस बन्धन को दूर भगाएं।
हम सब बच्चे घर से निकलें,
खेलें-कूदें मौज मनाएं॥

'बाल प्रज्ञान' बाल कविता संग्रह की उक्त कविताओं के उदाहरणों से स्पष्ट है कि कवि श्री डॉ. सत्यवान सौरभ बालमन के कुशल पारखी हैं। वे बच्चों को भाने वाले विषयों के साथ ही उनके लिए उपयोगी विषयों को भी अच्छी तरह से जानते हैं। उनका बालमन, बच्चों के साथ बहुत रमता है। संग्रह की शेष रचनाएँ भी बालमन को

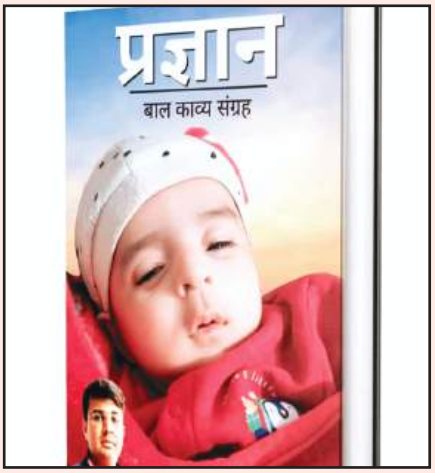

आकर्षित करने वाली हैं। ये कविताएं जीवन के विविध पक्षों पर सकारात्मक दृष्टि से विचार करती हुई, बच्चों को संस्कारित करने का काम करती हैं। 'मन को भाता है कम्प्यूटर' कविता में कंप्यूटर के माध्यम से कंप्यूटर का महत्त्व बताते हुए उसे अनमोल कहा गया है। 'तितली रानी' कविता, आधुनिक समय में पक्षियों के महत्त्व पर प्रकाश डालती है। 'हरियाली तुम आने दो।' रचना, बचपन में बच्चों द्वारा पेड़-पौधें पसंद करने के आनन्द पर आधारित है। 'दादा-दादी' एक बाल सजल है जिसमें बच्चों की दादी के घर जाने की उत्सुकता अभिव्यक्त की गई है। दादी के घर में बच्चों को दादा-दादी, बुआ और चाचा का प्यार मिलता है। 'करो स्कूल की सब तैयारी' कविता बच्चों के विद्यालय जाने के उत्साह को शब्दायित करती है। 'कितने सारे आम' कविता में पेड़ पर लटके कच्चे-पक्के आम बच्चों को लुभाते हैं। 'सेहत का खजाना' कविता में सब्जियों के गुणों का बखान किया गया है। 'पुलिस हमारे देश की' कविता, बच्चों में देश सेवा की भावना को लाती है। 'सदा तिरंगा यूं लहराये' कविता, बच्चों को अच्छी बातें अपनाकर जीवन को सफल बनाने का संदेश देती है। 'चिट्ठी' कविता में आज के समय में चिट्ठियों के नहीं लिखने पर चिन्ता व्यक्त की गई है। चिट्ठियां नहीं आने से डाकिया भी बहुत दिनों के बाद कभी-कभार ही दिखाई देता है। 'गिलहरी' कविता में छुट्टी के दिन बच्चों द्वारा पार्क में पिकनिक मनायेजाते वक़्त गिलहरी का सजीव वर्णन है। 'प्यारी चिड़िया रानी' कविता में मानव द्वारा जंगलों को उजाड़ने के कारण वन्य जीवों पर आए संकट का मार्मिक चित्रण है। 'दूधवाला' कविता में कवि मार्मिकचित्र बनाता है, 'फूलों की सीख' कविता में रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई है। 'चंदा मामा' कविता बचपन में हिलमिल कर रहे तारों के बीच चाँद सेबच्चों को मिलने वाली सीख को दशार्ती है। 'ऋतु बसन्त है आई' कविता में बसन्त ऋतु में प्रकृति में आए निखार को दशार्या गया है। 'आ री आ, ओरी गौरैया' कविता में छोटी–सी चिड़िया गौरैया के प्रति बच्चों के प्रेम को चित्रित किया गया है। 'पूसी-मौसी, मरियल-मंकी' कविता में पूसी बिल्ली, मरियल मंकी और लालू कुत्ते की दोस्ती के माध्यम से सबको आपस में मिलजुल कर रहने का संदेश दिया गया है। 'रंग-बिरंगी' कविता में एक बच्चा दादू से पिचकारी खरीदने को कहता है ताकि वह अपने मित्रो के साथ मस्ती से होली खेल सके। यह कविता, त्यौहारों के प्रति बच्चों के उत्साह को प्रकट करती है।

-सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा'
3 फ 22 विज्ञान नगर, कोटा-324005 (राज।)
मोबाइल: 9928539446

खाटू वाले बाबा श्याम का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपाल सेवा भाव समिति के सदस्यों द्वारा इंदिरा गांधी नगर, जगतपुरा, सेक्टर 5, में खाटू वाले बाबा श्याम का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर बाबा का दरबार सजा कर, आरती, भजन गाकर, एवम छोटी बालिका गायत्री शर्मा द्वारा केक भी काटा गया एवं आतिशबाजी भी की गई। गोपाल सेवा भाव समिति के सदस्यों द्वारा हर वर्ष श्याम भजन संध्या भी धूम धाम से मनाई जाती है। एवम हर माह बाबा के दरबार में, खाटू श्याम जी हाजरी भी दी जाती है। इस अवसर पर डा अशोक दुबे, कपिल पचौरी (ऑनर कैफे हाउस सेक्टर 5), मनीष शर्मा, पुरुषोत्तम सिंह, पुनीत जैन, अमित मिश्रा,भुवनेश अग्रवाल, कृष्ण दत्त झालानी, देवा, रॉकी, जैस्मिन बहिन, दिव्यम, डुग्गू, आरव सहित इंदिरा गांधी नगर के निवासी उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

रॉयल मित्र मंडल के सेक्रेटरी युवा समाजसेवी नरेश जैन मेड़ता के जन्मदिन को सेवा कार्य के रूप में मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

रॉयल ग्रुप मित्र सेवा संस्था के सेक्रेटरी युवा समाजसेवी नरेश जैन मेड़ता के जन्मदिन को सेवा कार्य के रूप में अनोखे और प्रेरणादायक तरीके से मनाया गया । इस विशेष अवसर पर रॉयल ग्रुप के अध्यक्ष दीपक सेठी ने बताया कि कैसे इस दिन को खास और यादगार बनाने की दिशा में एक बेहतरीन पहल करते हुए सबने मिलकर सर्वप्रथम भगवान के अभिषेक कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं पूजा-अर्चना की। इसके बाद, गायों के प्रति अपने स्नेह और सेवा भावना को दशार्ते हुए, गौशाला में गायों को चारा एवं लापसी खिलाई गई। यह एक अत्यंत पवित्र और आनंदमय अनुभव था, जिसने सभी के दिलों को छू लिया। सिर्फ इतना ही नहीं, रॉयल ग्रुप ने अस्पताल में जाकर मरीजों को फल और फ्रूट वितरण किए। यह कदम न केवल मरीजों के चेहरों पर मुस्कान लाया, बल्कि उन्हें जीवन में एक नई ऊर्जा भी प्रदान की। अध्यक्ष दीपक सेठी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया बताया कि आपका सहयोग और सेवा की भावना ने हमें यह सिखाया है की कैसे हम भी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां को समझ सकते हैं और दूसरों की मदद कर सकते हैं आपकी यह यात्रा हमें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। उपाध्यक्ष संजय जैन लाडनुं ने कविता के माध्यम से जीवन परिचय बताया। इस अवसर इस अवसर पर संरक्षक सुरेंद्र पाटनी एवं पारसमल छाबड़ा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने अपने सामाजिक कार्यों से जिस तरह से जैन समुदाय को सशक्त बनाया है वे वाकई में सराहनीय है अपने जीवन का बड़ा हिस्सा समाज की सेवा में समर्पित किया है आपके इस योगदान को शब्दों में बंया करना मुश्किल है ..इस अवसर पर उपाध्यक्ष अमित ठौलिया जॉइन सेक्रेटरी प्रशांत सेठी, दीपक कासलीवाल, विकास काला आशीष शाह, संजय पापड़ीवाल, मनोज कासलीवाल, विकास ठौलिया, सनी ठौलिया, अनिल पाटनी ने जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी।

जस्टिस एन के जैन फाउण्डेशन की ओर से सम्मान समारोह 15 को

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 108 विभूतियों को किया जाएगा सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन फाउण्डेशन ट्रस्ट की ओर से 15 नवम्बर को भट्टारकजी की नसियां स्थित तोतूका सभागार में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करने वाली 108 विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। ट्रस्ट के सदस्य दिलीप शिवपुरी ने बताया कि न्यायमूर्ति स्व. जेपी जैन की 50वीं पुण्य तिथि एवं 108वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रातः 10 बजे से आयोजित इस सम्मान समारोह में विधि, ज्योतिष, वकालात, चिकित्सा, शिक्षा, प्रशासनिक सेवा, पत्रकारिता, साहित्य, पर्वतारोहण, कला–संस्कृति, खेल, वास्तुकला, इंजीनियरिंग एवं समाज सेवा सहित अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही इस मौके पर एक स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा। ट्रस्टी रमेश अरोड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म भूषण से सम्मानित एवं प्रसिद्ध समाज सेवी डॉ. डीआर मेहता होंगे। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों की कई जानी–मानी हस्तियां भी उपस्थित रहेंगी। ट्रस्टी सुरेश जैन ने बताया कि जस्टिस नगेन्द्र कुमार जैन फाउण्डेशन ट्रस्ट का गठन मानवीय मूल्यों से प्रेरित कार्यों को आगे बढ़ाने तथा समाज के जरूरतमंद वर्गों को मुख्यधारा में लाने तथा इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष जस्टिस नगेंद्र कुमार जैन ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर गतिविधियों का निस्वार्थ भाव के साथ आयोजन किया जाता रहेगा।

मंत्रोचार के साथ पश्चिमी घातक खंडदीप संबंधी ऐरावत क्षेत्र की त्रिकाल पूजन के अर्घ्य चढ़ाए

नौगाम. शाबाश इंडिया

प्रवक्ता सुरेश गांधी ने बताया कि सर्वतो भद्र विधान के पांचवें दिन बुधवार को आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भगवान महावीर समवरशण मंदिर में विशेष शांति धारा की गई। इसके बाद पंडाल में परम पूज्य पवित्र मति माताजी करनमती माताजी गरिमा मति माताजी ब्रह्मचारी अनिल भैया विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी के सानिध्य में समवशरण में विराजमान प्रतिमाओं का जलाभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य पंचोरी मनीष केसरीमल कुबेर इंद्र राजेश के परिवार को मिला। सोधर्म इंद्र भरत चक्रवर्ती कुबेर इंद्र ईशान इंद्र यज्ञ नायक द्वारा अभिषेक करने के पश्चात सर्वतो भद्र विधान की पूजन की गई। पूजन में गीतकार राजेश जैन के मधुर स्वर लहरों के साथ वाद्य यंत्रों की मधुर स्वर लहरों के साथ बारी-बारी से अर्घ्य चढ़ाए गए। इस अवसर सेनावासा परतापुर बांसवाड़ा घाटोल बागीदौरा से आए हुए समाजजनों ने माताजी को आगमन के लिए श्रीफल भेट किया गया। चतुर्मास कमेटी अध्यक्ष निलेश जैन, राजेंद्र गांधी भरत पंचोली, सुभाष नानावटी, राजेश पिंडरमियां, कैलाश पिंडरमियां द्वारा अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। दोपहर में आर्यिका संघ के सानिध्य मंदिर में नंदीश्वर विधान पूजन कर अर्घ्य चढ़ाए। इस अवसर पर माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सर्वतोभद्र विधान में नौगामा नगर के सभी धर्म प्रेमी बंधु बड़े भक्ति भाव से समर्पण भाव से भक्ति कर रहे हैं यह भक्ति उनकी संस्कारों की की देन है । माताजी ने कहा कि चातुर्मास का अतिशय है कि चारों ओर से सुख शांति है। शाम को महाआरती करने का सौभाग्य पिंडारमिया नरेंद्र कुमार नथमल के परिवार को प्राप्त हुआ। आरती उतरने किए घर से आरती के थाल सजाकर घोड़ा बधी के साथ बैंड बाजौ के साथ विशाल शोभा यात्रा लोग भ्रमण करती हुई पंडाल पहुंची जहां पर बड़े भक्ति भाव से भगवान की आरती की गई ।

घट यात्रा एवं ध्वजारोहण से मीरामार्ग के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का आगाज

आज निकलेगी जन्म कल्याणक शोभायात्रा, पाण्डुक शिला पर 1008 कलशों से होगा तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अईं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में बुधवार 13 नवम्बर से 17 नवम्बर तक होने वाले पांच दिवसीय श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का बुधवार को घट यात्रा एवं ध्वजारोहण से भव्य आगाज हुआ। इस मौके पर आसपास का वातावरण भक्तिमय हो उठा। वही गुरुवार को जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर जन्म कल्याणक की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी और पाण्डुक शिला पर 1008 कलशों से तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक होगा। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि महामहोत्सव के अन्तर्गत बुधवार 13 नवम्बर को घटयात्रा एवं ध्वजारोहण से पंच कल्याणक महोत्सव का मानसरोवर के गोखले मार्ग स्थित सैक्टर 9 के सामुदायिक केन्द्र पर आगाज हुआ। इसी दिन गर्भ कल्याणक की क्रियाएं हुई। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक पं. धीरज शास्त्री के निर्देशन में आयोजित इस महामहोत्सव का ध्वजारोहण समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर - शांता देवी, प्रमोद - नीना एवं सुनील - निशा पहाड़िया परिवार ने किया। मंगल कलश की स्थापना डी सी जैन - शकुन जैन, महक - निधि जैन श्यामनगर वालों ने की। मंडप का उदघाटन समाजश्रेष्ठी शीतल - निर्मला कटारिया ने किया। सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा के बाद भगवान के माता-पिता पदम कुमार - शशि जैन, सौधर्म इन्द्र महेश - अनिला बाकलीवाल, कुबेर इन्द्र सुभाष - मीना अजमेरा एवं महायज्ञनायक सुशील - निर्मला पहाड़िया के नेतृत्व में अष्ट द्रव्य से याग मण्डल विधान पूजा की गई। इससे पूर्व प्रातः 6:30 से देव आज्ञा, गुरु आज्ञा आचार्य निमंत्रण, घट पूजन के बाद मंदिर जी से विशाल घटयात्रा निकाली गई जो विभिन्न मार्गों से होती हुई गोखले मार्ग स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। घटयात्रा में हजारों महिलाएं सिर पर कलश लेकर शामिल हुई। घट यात्रा के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद ध्वजारोहण, मंडप उदघाटन एवं मंगल कलश स्थापना की क्रियाएं हुई। प्रातः 9:00 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज की मंगल देशना हुई जिसमें मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने पाषाण से भगवान बनने की पूरी प्रक्रिया पर प्रकाश डाला एवं पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की महिमा बताई। उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी के मुताबिक दोपहर 12:00 बजे से गर्भ कल्याणक की आंतरिक क्रियाऐं की गई। दोपहर 3:00 बजे तीर्थंकर माता की सूखे फलों से जयकारों के बीच नाचते गाते गोद भराई का विशाल आयोजन किया गया। सायं 6:00 बजे से आचार्य भक्ति के बाद संगीतमय महाआरती की गई। रात्रि में सौधर्म इंद्र महाराज का दरबार लगा जिसमें विभिन्न देशों के राजा महाराजा शामिल हुए। अन्त में सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने बताया कि गुरुवार 14 नवम्बर को तीर्थंकर बालक का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर अभिषेक, शांतिधारा पूजन के पश्चात प्रातः 7:30 से भगवान के जन्मोत्सव की बधाई, प्रथम दर्शन शचि इन्द्राणी द्वारा सहस्त्र नैत्र से प्रभु दर्शन, सौधर्म इन्द्र द्वारा प्रवचन के बाद विशाल जन्म कल्याण शोभायात्रा निकलेगी। गुरुवार को प्रातः 9.30 बजे गौखले मार्ग स्थित सामुदायिक केन्द्र से विशाल जन्मोत्सव शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें हाथी, घोड़े, ऊटं, बघ्घियां एवं बैण्ड बाजो सहित हजारों श्रद्धालुगण नाचते गाते शामिल होंगे। शोभा यात्रा विजय पथ सहित विभिन्न मार्गो से होती हुई पाण्डुक शिला पहुंचेगी जहां पर तीर्थंकर बालक का 1008 कलशों से जन्माभिषेक किया जाएगा। संगठन मंत्री अशोक सेठी ने बताया कि सायंकाल 6:00 बजे सौधर्म इन्द्र द्वारा तांडव नृत्य और भगवान का पालना झुलाना, बाल क्रियाओं के आयोजन होंगे। सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि शुक्रवार 15 नवंबर को तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन प्रात 6:30 बजे से अभिषेक, शांति धारा, पूजन, यज्ञ के बाद प्रातः 8:30 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर 1:00 बजे से पाणि ग्रहण संस्कार, राज्य तिलक, भेंट समर्पण, असि, मसि, कृषि आदि षट कर्म, शिक्षा नीति, नीलांजना नृत्य, वैराग्य, दीक्षाभिषेक, वन गमन दीक्षा संस्कार विधि आदि की क्रियाएं प्रणम्य सागर महाराज द्वारा करवाई जाएगी। सायंकाल 6:00 बजे से आचार्य भक्ति के बाद श्री जी की एवं मुनि श्री की भव्य आरती की जाएगी । तत्पश्चाप शास्त्र सभा का आयोजन होगा। अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक शनिवार 16 नवम्बर को ज्ञान कल्याणक मनाया जाएगा। महामहोत्सव में रविवार, 17 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं होगी। इस मौके पर विश्व शांति महायज्ञ के बाद विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। नवीन वेदियों में श्री जी को विराजमान किया जाएगा। तत्पश्चात सम्मान एवं आभार समारोह किया जाएगा। इसी दिन प्रातः 8 बजे बच्चों का उपनयन संस्कार किया जाएगा। दोपहर 1.00 बजे से मुनि प्रणम्य सागर महाराज की पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि महामहोत्सव में जयपुर सहित पूरे देश से लाखों जैन बन्धु शामिल हुए।

चन्द्रमा के बिना रात्री की शोभा नहीं, कमल के बिना सरोवर की शोभा नहीं उसी प्रकार धर्म के बिना जीवन जीने की सार्थकता नहीं : मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर बुधवार दिनांक 13 नवंबर को श्री 1008 श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान पूजा में मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में अभिषेक शांतिधारा शतार इन्द्र - महावीर कुमार पाटनी एवं आनत इन्द्र- नेमी चन्द सोनी ने की। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि विधान पूजा में सम्मिलित सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने पूजा के अर्घ्य मण्डल पर चढ़ाये। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष सुनील संगही ने बताया कि विधान पूजा के मध्य में मुनिश्री 108 पावनसागर जी ने प्रवचन में बताया कि जिस प्रकार चन्द्रमा के बिना रात्री की शोभा नहीं, कमल के बिना सरोवर की शोभा नहीं उसी प्रकार धर्म के बिना जीवन जीने की सार्थकता नहीं। धर्म प्रदर्शन की वस्तु नहीं, आत्म दर्शन है धर्म को कर्तव्य समझकर उसका पालन करना चाहिए। धर्म से विचारों में सरलता, हृदय में उदारता आती है धर्म जीवन जीने की कला सिखाता है। धर्म का आचरण जीवन का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। धर्म से जीवन आदर्श बन जाता है। खिलाड़ी कहता है जीवन एक खेल है। नाटककार कहता है जीवन नाटक है। गृहस्थी कहता है जीवन गृहस्थी बसाना है दुकानदार कहता है जीवन में पैसा कमाना ही जीवन है संत कहते हैं की धर्म आत्मा को समझ कर मोक्ष की प्रार्थना करता है मोक्ष की साधना करता है रत्नत्रय की साधना करता है, सिद्धत्व को प्राप्त करना ही हमारा लक्ष्य है। व्यक्ति हताश हो जाता है तो वह अनहोनी घटना कर लेता है। पुरुषार्थ करना ही नहीं चाहता संघर्ष से विमुख हो जाता है तो वह गर्त में जाकर डूब जाएगा। व्यक्ति इच्छाओं को पूरा करने के लिए कर्तव्य से विमुख हो जाता है। पुरुषार्थी व्यक्ति जीवन जीने का लक्ष्य निर्धारित करता है संघर्ष करने वाला समस्या का समाधान कर लेता है जीवन एक खेल है यह कहा जाता है लेकिन वास्तव में जीवन एक अनमोल है न समझे तो खेल है। इच्छाओं का अंत नहीं होता, इच्छापूर्ति के लिए व्यक्ति पाप करता रहता है और दुर्गति का कारण बनता है। अतः इच्छाओं पर नियंत्रण करना चाहिए।

'सिद्धी धाम' वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागरजी तपोवन शिलान्यास समारोह 17 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गर्णिनी 108 श्री नंगमति माताजी एवं 105 परम पूज्य आर्यिका निश्चयमति माताजी के सान्निध्य में 'सिद्धी धाम' वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागरजी तपोवन शिलान्यास समारोह 17नवम्बर को 8 बजे से टोंक रोड,ग्राम बीलवा,नांगल्या स्थित श्री

शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के विमल परिसर में आयोजित होगा। सुधर्म नंग अहिंसा ट्रस्ट के आयोजकों ने बताया कि श्री विमल सागर परिसर जयपुर की पावन धरा पर शाश्वत तीर्थ 20 तीर्थंकर भगवान की व अनंतानंत भव्यात्माओं की निर्वाण भूमि शाश्वत तीर्थ तीर्थराज सम्मेद शिखर की जीवंत प्रतिकृति की रचना जसमें 25 टोंक तथा सवा सात फुट के खडगासन श्री पार्श्वनाथ भगवान की जिन प्रतिमा विराजमान की जाएगी एवं 25 टोंकों में श्री चंद्रप्रभ स्वामी की टोंक व श्री पार्श्वनाथ भगवान की टोंक की नयनाभिराम रचना होगी। ट्रस्ट के आयोजकों ने बताया कि विशेष रूप से शिलान्यास में 25 स्वर्ण कलश रत्नपूरित व एक श्री सम्मेद शिखर तीर्थ की पावन माटी से भरा एक कलश स्थापित किया जाएगा। समारोह के मांगलिक कार्यक्रम में प्रातः 7 बजे जिन अभिषेक व शांतिधारा के बाद 7.30 बजे ध्वजारोहण एवं 8 बजे शिलान्यास की मांगलिक प्रक्रियाएं होंगी।

जीवन का घड़ा बूंद-बूंद रिस रहा है: आचार्य शशांक सागर

श्री सिद्ध चक्र विधान में चढ़ेंगे 512 अर्घ

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरूण पथ मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में अष्टानिका के पंचम दिवस पर नित्य अभिषेक एवं शांति धारा के साथ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण विधान के सतार इंद्र संजय-सोनू डाकूड़ा, दीप प्रज्ज्वलन व पाद प्रक्षालन मंडल पूण्यार्जक निर्मल, भंवरी काला ने किया। सौधर्म इन्द्र सुनील-अनिता गंगवाल ने बताया आचार्य शशांक सागर महाराज ने प्रवचन ने बताया कि जीवन का घड़ा तो बूँद- बूँद रिसता चला आ रहा है,हम समझते है कि घड़ा हमेशा भरा रहेगा।आत्म निरीक्षण करो और भगवान की भक्ति करो जिससे अगला भव सुधरे। प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने बताया कि विधान के पंच षष्ठम दिवस में 256 अर्घ अर्पण किया और सप्तम दिवस में 512 अर्घ चढ़ेंगे , सांय आरती के साथ भक्ति संध्या का आयोजन होगा। इस अवसर पर एम पी जैन,पूरण मल अनोपड़ा, विमल काला, अशोक बाकलीवाल, राजकुमार गंगवाल, राजेन्द्र सोनी, सुनील गोधा, महावीर बडजात्या, संतोष कासलीवाल,लोकेश सोगानी, जैनेन्द्र जैन, जे के जैन आदि उपस्थित रहे। -**सुनील जैन गंगवाल**

बाल दिवस पर हुई फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय मिशन कम्पाउंड स्थित सेन्ट जॉन सेकेण्डरी स्कूल में पंडित जवाहर लाल की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर दो दिवसीय फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पहले दिन मंगलवार को कक्षा नर्सरी से प्रथम तक के बच्चों ने सूरज, पेड़, पहाड़, इंद्रधनुष, फूल व फल, सब्जियां, पशु-पक्षी आदि के विभिन्न रूप धरे। दूसरे दिन बुधवार को कक्षा द्वितीय से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं ने रजिया सुल्तान, पद्मावती, फिल्म के किरदार, भारतीय लोक संस्कृति, सामाजिक संदेश, भारतीय भासक, मशहूर व्यक्ति, कार्टून, विभिन्न राज्यों का पहनावा, स्वतंत्रता सेनानी, पौराणिक चरित्र व राजनेता आदि के रूप घरे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं का प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान का चयन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सीमा बैपटिस्ट द्वारा सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए बाल -दिवस की शुभकामनाएं दी व उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रार्थना की।

तूफानों ने घेरा फिर भी नाव तो चली : मीनू जायसवाल

बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर हुआ विशाल भजन संध्या का आयोजन

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावां सिटी। उपखंड मुख्यालय पर श्री श्याम परिवार सेवा समिति नावां के तत्वावधान और बियानी परिवार नावां के सौजन्य से मंगलवार को बाबा श्याम की पावन एकादशी,पाटोत्सव व जन्मोत्सव के साथ तुलसी विवाह के उपलक्ष में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया । आयोजक अभिषेक बियानी ने बताया कि इस दौरान बाबा श्याम का विशाल दरबार रंग बिरंगे पुष्पों द्वारा कैलाश गौड,प्रमोद अग्रवाल ,श्यामसुंदर माटोलिया व मुकेश अग्रवाल द्वारा सजाया गया। भजन संध्या में स्थानीय व मेहमान कलाकारों द्वारा भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गई । सांय 7:15 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत रूप से भजन संध्या का शुभारंभ हुआ जिसमें गौतम खंडेलवाल ने गणेश वंदना के साथ भजन संध्या की शुरूआत की। इसके पश्चात नरेंद्र अजमेरा, मुरली पाराशर, तुषार गौड,प्रदीप गौतम ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। इसके पश्चात नागपुर से पधारे ख्यात नाम गायक कलाकार हर्ष शर्मा ने अपने सुमधुर भजनों से भक्तों का मन मोह लिया हर्ष शर्मा ने साथी हमारा कौन बनेगा तुम न सुनोगे तो कौन सुनेगा आदि भजन गाए व अंत में फागण की धमाल गाकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसी के साथ लालसोट से पधारी नामचीन गायक कलाकारा मीनू जायसवाल ने भी अपने सुमधुर भजनों से भक्तों का मन मोह लिया व इस दौरान पूरा पांडाल भक्तिमय हो गया । उन्होंने तूफानों ने घेरा फिर भी नाव तो चली आसरे तुम्हारे बजरंगबली आदि भजन गाए । भजन संध्या के दौरान बाबा की पावन जोत के साथ इत्र वर्षा व पुष्प वर्षा के द्वारा पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। इस दौरान बाबा श्याम के छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया जिसे आरती बाद भक्तों में वितरित कर दिया गया । इसी के साथ बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर केक काटकर भोग लगाया गया वह भक्तों में बांटा गया । इस दौरान बियानी परिवार नावां के साथ साथ आसपास के क्षेत्र और नगर के अनेकों गणमान्य नागरिक व श्याम परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

विश्व मधुमेह दिवस, गर्भकालिन मधुमेह एवं सावधानी

डॉ संध्या यादव: वरिष्ठ प्रसुती एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
पूर्व सीनियर रेजिडेंट, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बी एच यू

अंतरराष्ट्रीय मधुमेह संघ (आई डी एफ) लोगो में मधुमेह से उपजे जोखिम के बारे में बढ़ती चिंताओं के प्रति जागरूक करने के लिए पिछले दो दशकों से 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मानता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वैश्विक रूप से 1980 में 108 मिलियन डायबिटीज के मरीज थे। 2014 में इनकी संख्या 422 मिलियन हो गई। 1980 के मुकाबले 2014 में डायबिटीज पीड़ित महिलाओं की संख्या में 80 फीसद बढोतरी हुई है। (4.6 फीसद से 8.3 फीसद)। मधुमेह रोग का प्रभाव शरीर के सभी अंगों पर पड़ता है लेकिन यदि मधुमेह रोग महिला में हो और खासतौर पर गर्भावस्था के दौरान हो तो इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। गर्भकालिन मधुमेह उन महिलाओं को भी हो सकता है जिन्हे कभी मधुमेह की बीमारी ना रही हो। गर्भावस्था के दौरान दूसरी एवं तीसरी तिमाही में डाइबिटीज के होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में हर सात में से एक गर्भवती महिला को मधुमेह होने का खतरा रहता है। महिलाओं में गर्भकालिन मधुमेह होने का एक कारण महिला का वजन भी हो सकता है। इसलिए गर्भावस्था दौरान वजन पर नियंत्रण रखना महत्वपूर्ण है। गर्भावधि में आहार विहार को नियंत्रित कर मधुमेह के खतरे को कम किया जा सकता है। ऐसे काबोर्हाइड्रेट जिसमे साबुत अनाज और अपरिष्कृत अनाज एवं कम वसा वाले प्रोटीन का प्रयोग करें। अच्छे आहार के साथ चिकित्सक की सलाह से हल्के व्यायाम भी करने चाहिए। गर्भावधि मधुमेह स्वयं ठीक हो जाता है। यह जीवन भर चलने वाले टाइप 1 एवं टाइप 2 मधुमेह से भिन्न होता है।